नैतिक शिक्षा

कक्षा 2

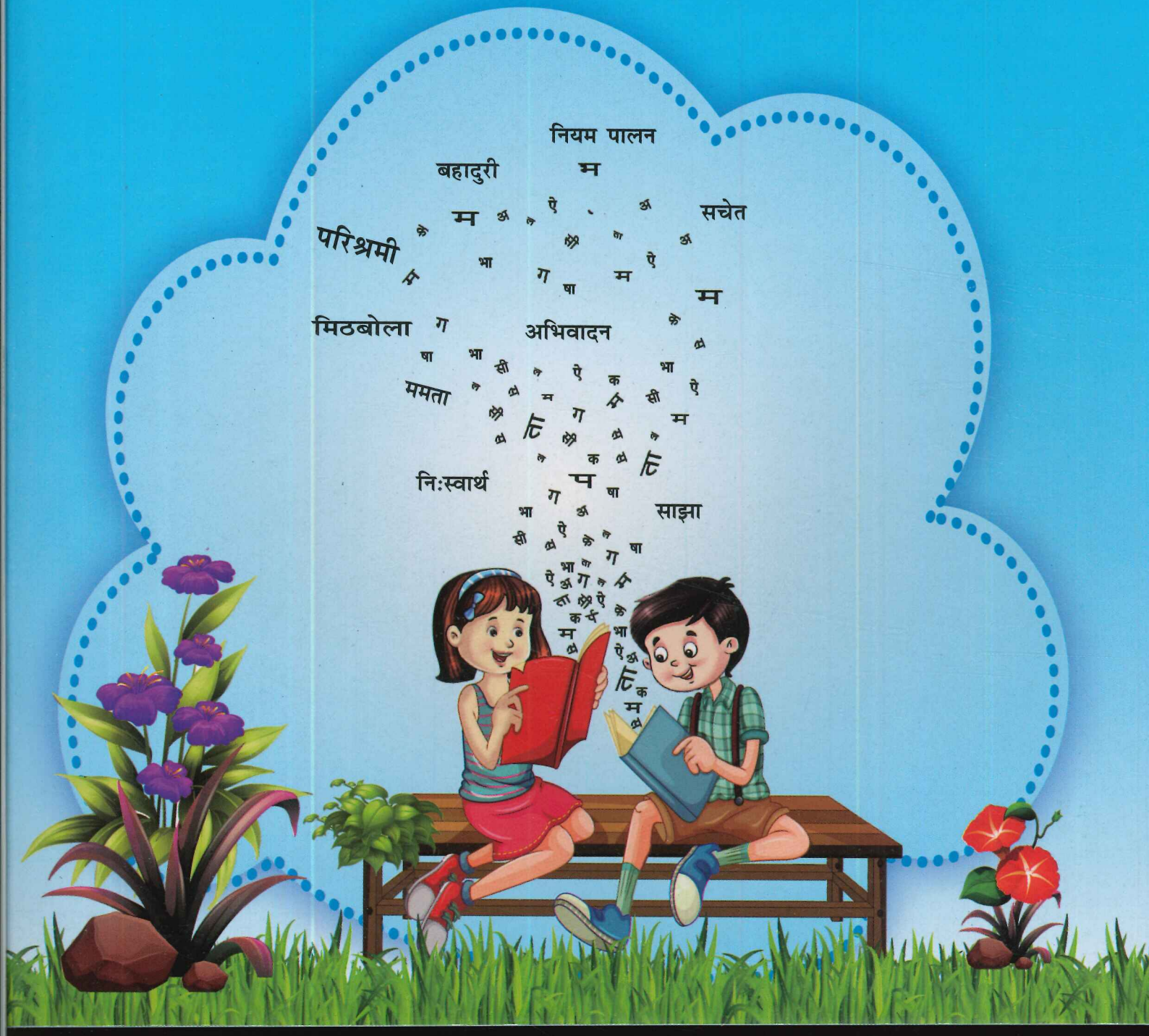

नैतिक शिक्षा

(कक्षा-2)

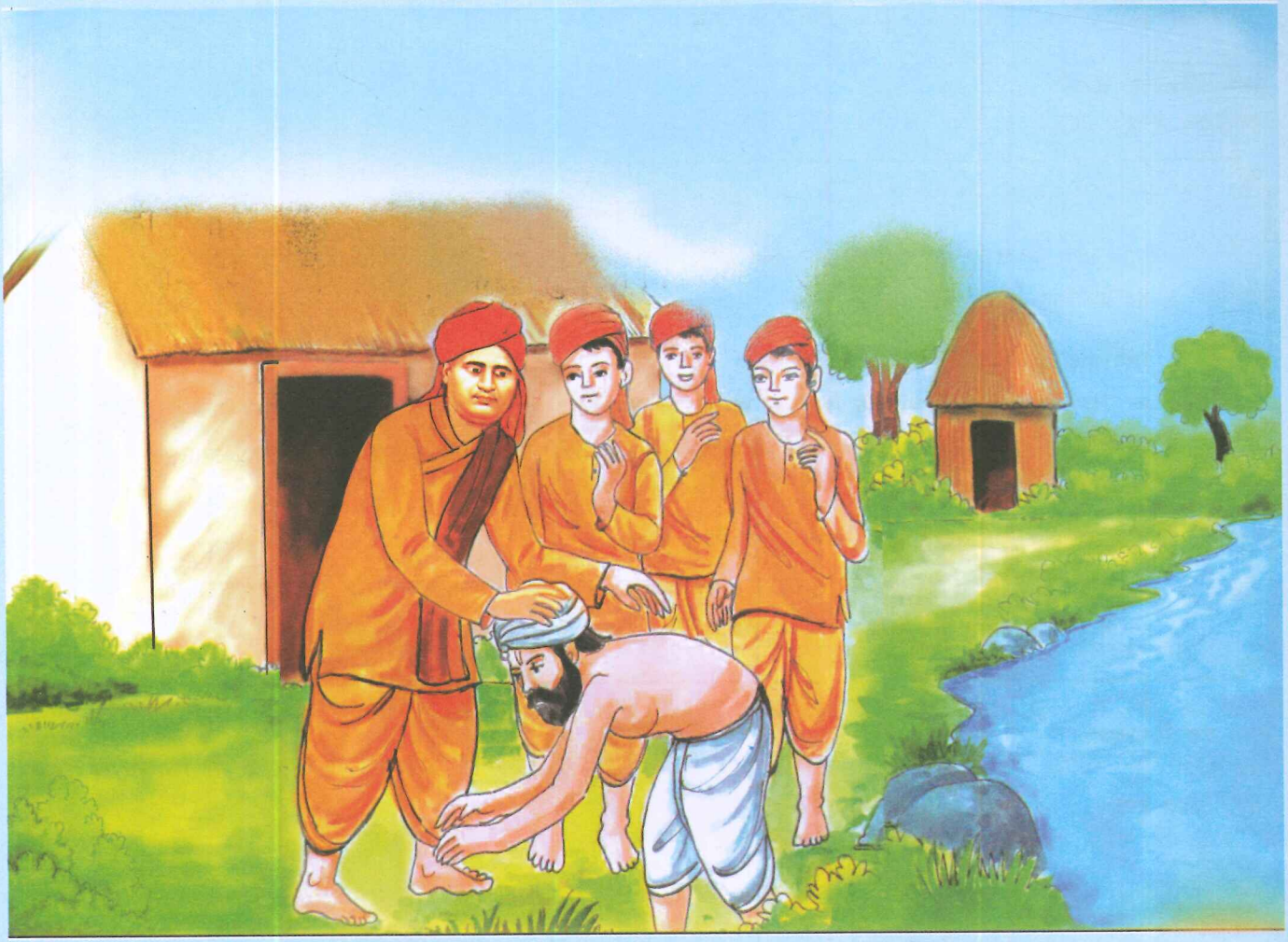

डी.ए.वी. प्रकाशन विभाग

डी.ए.वी. कॉलेज प्रबन्धकर्त्री समिति

चित्रगुप्त मार्ग, नई दिल्ली-110055

डी.ए.वी. गान

अविरल निर्मल सलिल सदय,
ज्ञान प्रदायिनी ज्योतिर्मय।
हो चहुँदिशि उद्घोष अभय,
डी.ए.वी. जय-जय।।

प्रबल प्रवाहमयी नित-नूतन,
जीवनदायिनी सदा सनातन।
वेद प्रणीता,
परम पुनीता,
ये धारा अक्षय।
डी.ए.वी. जय-जय।।
दयानंद से प्रेमभक्ति ले,
हंसराज से त्यागशक्ति ले,
धर्मभक्ति का, राष्ट्रशक्ति का
हो दिनमान उदय।
डी.ए.वी. जय-जय।।
सुख-समृद्धि इसकी लहरें,
प्रेम-शांति इसके तट ठहरे।
सघन शांतिमय,
प्रबल कांतिमय,
लिए अटल निश्चय।
डी.ए.वी. जय-जय।।

अनुक्रम

क्रमसंख्या	शीर्षक	पृष्ठ संख्या
1.	प्रार्थना	1
2.	माँ	2
3.	नमस्ते	9
4.	नियम पालन	16
5.	धर्म की राह	24
6.	कर्म ही जीवन है	31
7.	स्वामी दयानंद सरस्वती	39
8.	बहादुर बच्चे	46
9.	कहीं यह शिकायत तो नहीं	53
10.	मेरे देवता	62
11.	मेरी सुरक्षा मेरे हाथ	70
12.	मुझे पसंद नहीं	77
13.	मेरी प्यारी गुड़िया	84
●	आर्यसमाज के नियम	

1 प्रार्थना

हर एक में तू, हर रूप में तू।
हर छाँव में तू और धूप में तू।।

जिसमें है भरी ममता केवल।
उस माँ के हर स्वरूप में तू।।

सृष्टि के हर नियम में तू।
हर धर्मशील के धर्म में तू।।

हर कर्मठ के कर्म में तू।
है दयानंद की हर वाणी में तू।।

हर देशभक्त की देशसेवा में तू।
है देवों के देवत्व में तू।।

हर एक में तू, हर रूप में तू।
हर छाँव में तू और धूप में तू।।

2 माँ

बच्चो! आपने अक्सर अपने माता-पिता, दादा-दादी या नाना-नानी को ईश्वर के घर के बारे में बात करते सुना होगा। हम इस धरती पर रहते हैं और कहा जाता है कि बादलों के ऊपर ईश्वर का घर है। आओ, आज तुम्हें ऐसी ही एक कहानी सुनाते हैं।

एक बार की बात है, ईश्वर के घर में कुछ बच्चे खेल रहे थे। तभी वहाँ ईश्वर आए और उनमें से एक बच्चे को अपने पास बुलाया।

ईश्वर – बिटिया! अब तुम्हारा धरती पर जाने का समय आ गया है। चलो, तैयार हो जाओ।

बच्चा – प्रभु! धरती पर कहाँ और क्यों?

ईश्वर – बिटिया! सभी को धरती पर जन्म लेना पड़ता है, अब तुम्हें जाना है।

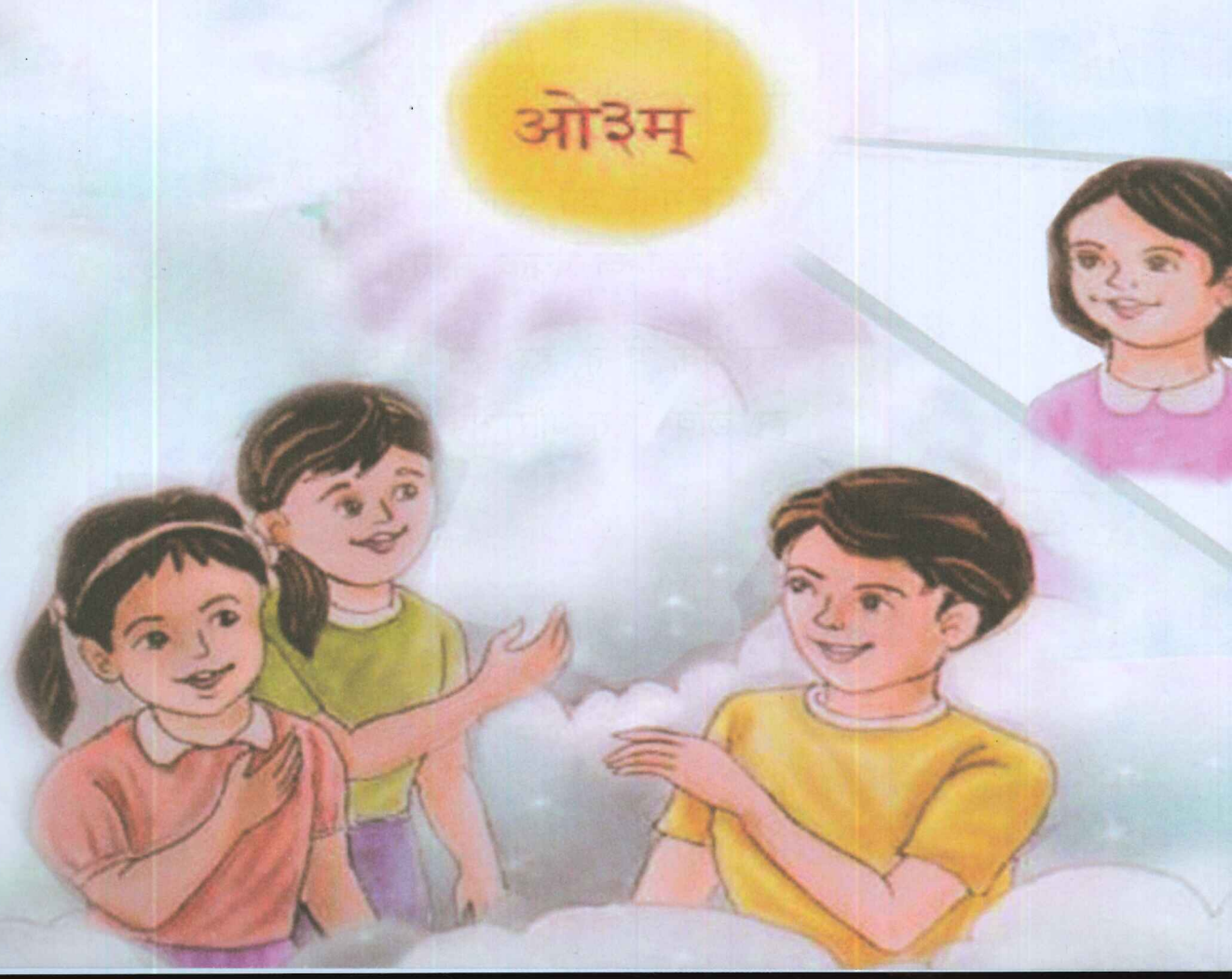

बच्चा – नहीं प्रभु, मैं आपको छोड़कर अकेले कहीं नहीं जाऊँगी। मुझे डर लगता है।

ईश्वर – बिटिया! डरो नहीं। मैं हूँ तुम्हारे साथ।

बच्चा – प्रभु, क्या आप भी मेरे साथ चलेंगे।

(ईश्वर कुछ बोल पाते उससे पहले ही वहाँ खेल रहे सारे बच्चे उनसे पूछने लगे कि क्या वह धरती पर जा रहे हैं?)

ओ३म्

ईश्वर – नहीं बच्चो, मैं कहीं नहीं जा रहा हूँ।

बच्चा – अगर आप नहीं जा रहें हैं तो क्या मैं अकेली जाऊँगी? मुझे अकेले डर लगेगा।

ईश्वर – मैंने कहा ना, मैं हूँ तुम्हारे साथ।

बच्चा – कैसे? आप तो यहाँ रहेंगे। अगर मैं कहीं खो गई या बीमार पड़ गई, तो मुझे कौन देखेगा?

ओ३म्

ईश्वर – मैं हूँ।

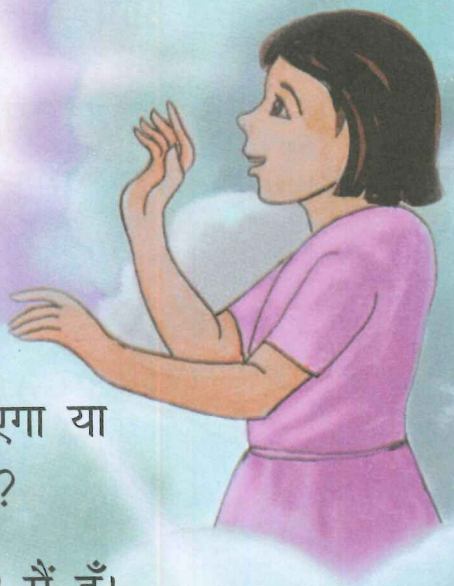

बच्चा – आप तो यहाँ हैं, मुझे कौन लोरी सुनाएगा या मैं रोने लगी तो कौन मेरे आँसू पोंछेगा?

ईश्वर – बिटिया, तुम क्यों इतना घबरा रही हो? मैं हूँ।

बच्चा – मुझे भूख लगी तो खाना देने को किससे कहूँगी?

ईश्वर – तुम्हें भूख लगने पर किसी से कुछ कहना नहीं पड़ेगा। वहाँ तुम्हारा बहुत ध्यान रखा जाएगा।

बच्चा – कैसे, कौन रखेगा मेरा ध्यान?

ईश्वर – वहाँ धरती का ईश्वर जिन्हें तुम 'माँ' कहकर बुलाओगी। तुम्हारा बिल्कुल वैसा ही ध्यान रखेंगीं, जैसा कि यहाँ रखा जाता है।

बच्चा – माँ?

ईश्वर – हाँ.., माँ। धरती पर हर परिवार का अपना ईश्वर। मेरा ही रूप।

यह सुन उस बिटिया ने निश्चिंत होकर धरती पर जन्म ले लिया। हो सकता है कि इस कहानी की बिटिया शायद तुममें से ही कोई हो।

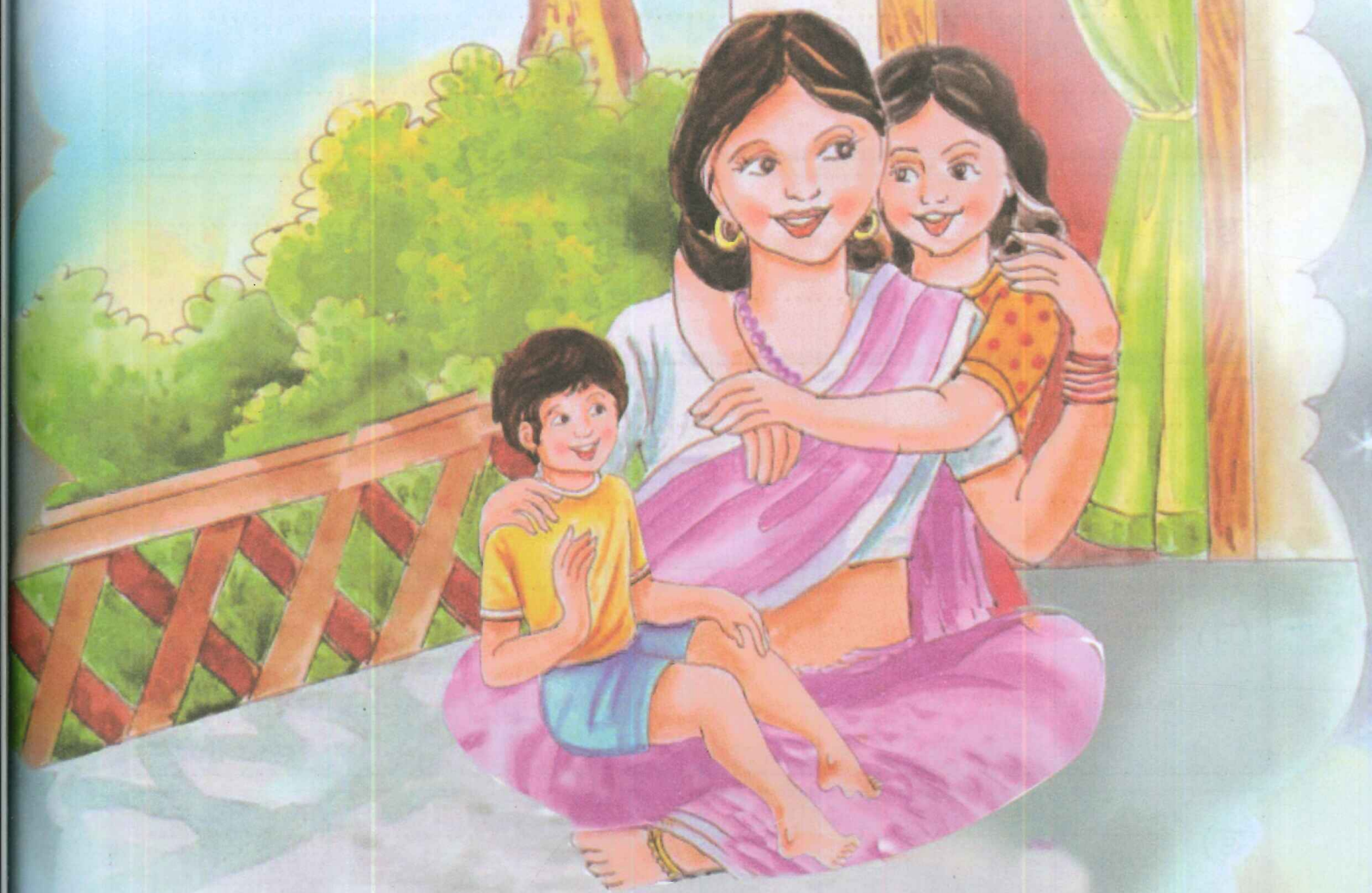

बच्चो! कहानी में जैसा ईश्वर ने कहा, 'माँ' धरती पर ईश्वर का ही रूप हैं। इसलिए अपनी माँ, प्यारी माँ का हर कहा मानो और उन्हें ख़ूब प्यार करो। यही ईश्वर की सच्ची पूजा है।

ज़रा सोचिए

प्रश्न 1: बच्चो! आपकी माँ आपके लिए प्रतिदिन कई कार्य करतीं हैं और कई कार्यों को करने में आपकी सहायता करतीं हैं। जैसे प्रतिदिन आपके लिए भोजन पकाना, आप की पढ़ाई में आपकी सहायता करना इत्यादि। किन्हीं पाँच ऐसे कार्यों के बारे में सोचकर लिखिए जो माँ आपके लिए प्रतिदिन करती हैं।

(क) .....
.....

(ख) .....
.....

(ग) .....
.....

(घ) .....
.....

(ड़) .....
.....

प्रश्न 2: अपनी माँ को, उन सभी कार्यों के लिए, जो वे आपके लिए करती हैं, एक धन्यवाद (थैंक यू) कार्ड बनाकर दीजिए।

प्रश्न 3: अपनी माँ का चित्र बनाइए और उसमें रंग भरिए।

आओ इसे अपने जीवन में उतारें

बच्चो! आपकी माँ आपके लिए प्रतिदिन बहुत कुछ करतीं हैं। आओ, आज से हम उनके लिए कुछ करें।

किन्हीं ऐसे पाँच कार्यों की सूची बनाइए जो आप अपनी माँ के लिए कर सकते हैं।

प्रतिदिन इन कार्यों को करने का प्रयास अवश्य कीजिए।

1. _____

2. _____

3. _____

4. _____

5. _____

आओ खोजें

अपने माता-पिता या अध्यापक की सहायता लेते हुए निम्नलिखित महापुरुषों की माँ के नाम खोजकर लिखिए:

महापुरुष	माता का नाम
(क) स्वामी दयानंद सरस्वती	
(ख) महात्मा गाँधी	
(ग) वीर शिवाजी	